14 / 03 / 82 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

देश विदेश की सैर का अनुभव

➢➢ मैं भृकुटी के बीच विराजमान आत्मा हूं

➳ _ ➳ मैं ब्राह्मण आत्मा हूं

➳ _ ➳ मैं बीज स्वरूप आत्मा हूं

→ इस कल्पवृक्ष की जड़ों में

- महाबीज शिव बाबा के साथ हूं
- स्थापना के कार्य में बाप दादा के साथ हूं

→ पुराना वृक्ष जड़जड़ी भूत हो गया है

→ यह कल्प अति तमोप्रधान हो गया है

➢➢ मैं अपनी जिम्मेदारियों को याद कर

➳ _ ➳ फरिश्ता रूप में उड़ चलती हूं

➳ _ ➳ इस देश की सैर पर

➳ _ ➳ भारतवर्ष की सेवा पर

→ दिख रही है अनेक कलयुगी आत्माएं

→ अल्पकाल की सुख की तलाश में

- भौतिक साधनों के पीछे भागती आत्माएं
- विदेशी साधनों को कॉपी करती आत्माएं
- नकली साधनों में मस्त हो गई हैं
- अपनी असली शक्ति
- रूहानियत को भूली हुई आत्माएं
- यह आत्माएं ऊंचे कुल की नंबर वन धर्म की आत्माएं हैं
- अपने असली स्वरूप को भूल हुई आत्माएं
- पीछे के धर्म की छोड़ी हुई वस्तुओं के पीछे भागती आत्माएं

→ तरस आ रहा है इन आत्माओं पर

➢➢ मैं मास्टर ज्ञान सूर्य आत्मा

➳ _ ➳ ज्ञान सूर्य बाप से ज्ञान किरणें को समाहित कर

→ यह ज्ञान किरणें भारत भूमि पर प्रवाहित करती हूं

→ भारत वासियों

→ इस पावन भूमि पर जन्म ली हुई आत्माओं

- जिस भूमि पर स्वयं भगवान आया है
- जिसे तुम ढूंढ रहे हो
- वह भी तुम्हें बुला रहा है

→ आबू की पावन भूमि पर रहने वाली आत्माओं

- भगवान को पहचानो
- इसी धरा पर वह आया है
- परखने की आंख कहां चली गई तुम्हारी
- भगवान के ज्ञान को सुनो
- दिव्य नेत्र को धारण करो

➳ _ ➳ मैं शक्तिशाली योग से

→ शक्तिशाली वाइब्रेशन के रूप में

→ बाबा का संदेश

- सर्व आत्माओं तक पहुंचा रही हूं

➢➢ अब मैं उड़ता पंछी पहुंचा

➳ _ ➳ विदेश की सैर पर

➳ _ ➳ विदेश की सेवा के लिए

→ यह कल्पवृक्ष का वह हिस्सा है

- जो अभी थोड़ा हरा भरा है

→ भारत की रूहानियत खींच रही है इन्हें

→ तलाश इन्हें भी है सुख की और शांति की

- दूर होते भी कितनी आत्माओं ने बाबा का संदेश सुन
- बाबा को पहचान लिया है
- अहो बुद्धि तुम्हारी
- अहो भाग्य तुम्हारे

→ पर पूरे विश्व में

- मेजॉरिटी आत्माएं गरीब है दुखी हैं
- सारा वृक्ष जड़ जड़ी भूत हो गया है
- अल्पकाल की प्राप्ति के फल फूल सूख गए हैं
- सब मन से चिल्ला रहे
- मुख से चिल्ला रहे हैं
- मजबूरी से जीवन चला रहे हैं

➢➢ मैं विश्वकल्याणकारी हूं

➳ _ ➳ मैं बाप समान शिक्षक हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा निमित्त हूं

→ इन्हें प्राप्ति के पंख से उड़ाने की

➳ _ ➳ मैं सर्व आत्माओं को निरंतर

→ बाबा का संदेश देती हूं

- हे आत्माओं हे मनुष्य आत्माओं
- चिल्लाना समाप्त करो
- क्या क्यों के क्वेश्चन समाप्त करो
- हम सबका पिता आ गया है
- भगवान आ गया है
- वह हमें ज्ञान दे रहा है
- शक्तियां दे रहा है
- जीवन को चलाना नहीं है
- जीवन जीने की कला सिखा रहा है
- उड़ने की कला सिखा रहा है
- सर्व जन्मों के लिए फल फूल प्राप्ति की विधि बता रहा है

➳ _ ➳ यह संदेश सुन आत्माएं बाबा की तरफ खींची आ रही है

→ वे भी उस राह पर चल दी

- जो सर्वोत्तम राह है
- कल्याणकारी राह है
- शुक्रिया बाबा शुक्रिया